इंडिया टुडे

Story of Indigifts® featured in

India Today Hindi’s 37th Anniversary Edition

इंडिया टुडे

Dear Mr. Nitin Jain

I hope this letter finds you in good health and high spirits. It is with great pleasure that I, on behalf of India Today Hindi magazine's editorial board, present our magazine's 37th Anniversary Issue, themed Zero Se Hero this year, featuring you.

It was after careful consideration and extensive research that the editorial board of India Today Hindi decided to feature you and your entrepreneurial journey. In the course of putting this issue together, we were deeply impressed by your dedication, innovative approach, and the substantial impact your work has had on the business landscape in India. We believe that featuring your story will not only provide you with the recognition you deserve but also inspire others to pursue their entrepreneurial dreams.

I would like to thank you for taking out the time to speak to us and share your inspirational journey with us. We hope that your story was told with precision and accuracy.

Enclosed is a copy of our Anniversary issue, themed Zero Se Hero, dated 13th December, 2023.

Thank you for your time and consideration. We wish you the best of luck and health.

Sincerely,

Saurabh

Saurabh Dwivedi
Editor,
India Today Hindi

INDIA TODAY GROUP

INDIA TODAY GROUP MEDIAPLEX
FC-8, Sector 16-A, Film City, Noida-201301 (U.P.)
Tel: +91-120-4807100 Fax : +91-120-4325028
URL : indiatodayhindi.com
Living Media India Limited
Regd. Office : F-26, First Floor, Connaught Place, New Delhi-110001, India
CIN NO : U92132DL1962PLC003714

37वीं वर्षगांठ विशेषांक

इंडिया टुडे

13 दिसंबर, 2023 50 रुपए

(बाएं से) मोरवेल ट्यूब्स के **फकीर चंद मोघा**, दृश्यम फिल्म्स के **मनीष मूंदड़ा**, दृष्टि आइएएस के **विकास दिव्यकीर्ति**, मिस्टर ब्राउन बेकरी की **तनुश्री गुप्ता** और मिन्हास पॉटरी के **गुलजीत सिंह मिन्हास**

ज़ीरो से हीरो

आम परिवारों से निकले उन लोगों की कहानियां जो अपनी मेहनत, लगन और उद्यमशीलता की बदौलत देश के अमीरों में हुए शुमार और हजारों को दिया रोजगार

RNI NO. 45823/86 REGISTRATION NO. DL(DS)-02/MP/2022-23-24, DL(ND)-11/6042/2021-22-2023; LICENSED TO POST WPP NO U(C)-31/2021-23; FARIDABAD/46/2023-25 www.indiatodayhindi.com

OC अग्रिम संवाद के लिए प्रत्येक शनिवार को प्रकाशित; एलपीसी दिल्ली-आरएमएस-दिल्ली-110006 से प्रत्येक शनिवार और सोमवार को प्रेषित; कुल पन्नों की संख्या 132 (आवरण सहित) वर्ष 38; अंक: 02

37 वीं वर्षगांठ

ज़ीरो से हीरो

भीतर

28 | **फकीर चंद्र मोघा**
निदेशक, मोरवेल ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड

32 | **तनुश्री गुप्ता**
संस्थापक, मिस्टर ब्राउन बेकरी

36 | **गौतम कुमावत**
फाउंडर, हैकिंगफ्लिक्स

40 | **गुलजीत सिंह मिन्हास**
निदेशक, मिन्हास पॉटरी

46 | **राजकरण दफ्तरी**
चेयरमैन, दफ्तरी ग्रुप

50 | **मनीष मूंदड़ा**
संस्थापक, दृश्यम फिल्म्स

54 | **विकास दिव्यकीर्ति**
संस्थापक, दृष्टि आइएएस

60 | **प्रकाश अग्रवाल**
संस्थापक, मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस

64 | **पूरन डावर**
चेयरमैन, डावर ग्रुप

70 | **डॉ. पुरुषोत्तम लाल**
चेयरमैन, मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स

73 | **पुनीत गुप्ता**
संस्थापक, एस्ट्रोटॉक

78 | **सुधाकर अग्रवाल**
निदेशक, इंडियन हर्ब्स

84 | **रमेश चंद्र गुप्ता**
निदेशक, दादीजी स्टील व अन्य कंपनियां

88 | **किरणभाई कथिरिया**
संस्थापक, भूमि एग्रो हाइटेक

94 | **विमल शुक्ला**
एमडी, मेघदूत ग्रामोद्योग संस्थान

97 | **राम सवानी**
संस्थापक, सवानी हेरिटेज कंजर्वेशन

102 | **नितिन जैन**
संस्थापक, इंडीगिफ्ट्स

105 | **अनिरुद्ध काला**
फाउंडर, सेलेबल टेक्नोलॉजी

108 | **संजय सलिल**
संस्थापक और सीईओ, मीडियागुरु

111 | **अभिषेक सिन्हा**
निदेशक, मोरवेल ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड

अन्य...

114 शब्दों की संगत में

साहित्य, कला और समाज के विविध क्षेत्र के दिग्गज जुटे साहित्य आजतक के छठवें जलसे में. तीन दिन में यही कोई सवा सौ सत्रों में विचारोत्तेजक चर्चा और संवाद

120 बदलाव की बारीकियां

देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर में आमूलचूल बदलाव को और रफ्तार देने के लिए विशेषज्ञों और नीति-निर्माताओं का मशविरा

दृष्टि
The Vision
<3
good dot

संस्कार का स्वैग

पिता की मृत्यु और मां को कैंसर से जूझते देखने की पीड़ा उस दिन और असल जान पड़ी जब नितिन ने खुद को एक्सिडेंट के बाद अस्पताल के बिस्तर पर पाया. उसी पल उन्होंने तय किया कि एक ऐसा प्रोडक्ट बनाना है जो भारतीयों को अपने परिवार के प्रति प्रेम व्यक्त करने में मदद करे

आनंद चौधरी

पुरुषोत्तम दिवाकर

फर्श पर
पिता को खोया, मां कैंसर से जूझीं, एक दुर्घटना के बाद खुद छह महीने बिस्तर पर रहे

अर्श पर
अमेजॉन पर सबसे ज्यादा बिकने वाली गिफ्टिंग कंपनी, टीवी शोज में इनके प्रोडक्ट दिखते हैं

नितिन जैन, 35 वर्ष
संस्थापक, इंडीगिफ्ट्स

इंडीबनी प्राइवेट लिमिटेड के ऑफिस में हर जगह पारिवारिक स्लोगन लिखे हुए हैं. मसलन, ऑफिस की सीढ़ियों से प्रवेश करते ही दीवारों पर 'दादी के अचूक नुस्खे और दादा के अनकहे किस्से', 'भाई-बहन का बचपन' और 'पति-पत्नी की अनबन', 'बुआ-फूफा, मामा-मौसी/ जीजा, चाची और पड़ोसी/ रिश्ते-नाते तीज-त्यौहार/ मनाए एक साथ इंडी परिवार' जैसे स्लोगन लिखे गए हैं. इंडीगिफ्ट्स के सीईओ और फाउंडर नितिन जैन कहते हैं, ''मैं अपनी भावनाओं को इन स्लोगन और उपहारों के जरिए व्यक्त कर पाता हूं.''

देश, परिवार और संस्कृति के लिए उनके मन में इस हद तक दीवानगी है कि अपने पूरे व्यापार को इसी बुनियाद पर खड़ा कर दिया. 18 साल की उम्र में खुद का व्यापार शुरू करने वाले नितिन जैन आज गिफ्ट के क्षेत्र का देश-दुनिया में जाना-पहचाना नाम हैं. उनकी कंपनी इंडीगिफ्ट्स (इंडीबनी प्राइवेट लिमिटेड) का नाम इंडिया के नाम पर रखा गया. देश के अधिकांश राज्यों के साथ विश्व के 18 देशों में उनके बनाए गए गिफ्ट बिकते हैं. अमिताभ बच्चन और साक्षी तंवर सहित कई फिल्मी सितारे और टाटा, महिंद्रा जैसे देश के नामी उद्योगपति विभिन्न मौकों पर उनसे गिफ्ट तैयार करवाते हैं. नितिन जैन को संस्कृति और भाषाओं से इतना लगाव है कि 12 भाषाओं में उन्होंने हर उत्सव के लिए गिफ्ट तैयार किए हैं. महज 7 साल के समय में इंडीगिफ्ट्स ने 25-30 लाख लोगों तक अपनी पहुंच बनाई है.

इंडी नाम की भी एक अलग कहानी है. साल 2008 में नितिन जैन के पिता की एक रोड एक्सिडेंट में मौत हो गई. माताजी भी दो बार कैंसर सर्वाइवर रहीं. एक ऐसा वक्त भी आया जब उनका एक्सिडेंट हुआ और उन्हें लगा कि अब उनका परिवार और जिंदगी पूरी तरह से बिखर गई है. इस दौर में उनकी माता, बहन, रिश्तेदारों और दोस्तों ने पूरा साथ दिया. छह महीने अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए नितिन को एहसास हुआ कि उन्हें जो दूसरी जिंदगी मिली है, वह अब सिर्फ उनकी नहीं है. उन्होंने अपने दोस्तों के साथ इंडीबनी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनाई और उसी समय तय कर लिया कि यह कंपनी हर भारतीय की भावनाओं को व्यक्त करने का जरिया बनेगी. इंडीबनी की टैग लाइन ही 'वसुधैव कुटुंबकम' है यानी संपूर्ण विश्व एक परिवार है.

नितिन जैन बताते हैं कि उनका मैस्कॉट इंडी एक भारतीय संयुक्त परिवार का सदस्य है. दादा-दादी, पापा-मम्मी, पत्नी, बच्चा, बहन, चाचा-चाची, बुआ-फूफा और पालतू डॉगी इंडी परिवार के अन्य सदस्य हैं. इन्हें ध्यान में रखकर उन्होंने गिफ्ट्स बनाए हैं. नितिन के कलेक्शन में 'डैड यू आर द बेस्ट' और 'डैडीज स्वैग' वाले तकिए, 'वर्ल्ड्स बेस्ट शेफ' वाले एप्रन जैसे प्रोडक्ट दिखते हैं. इसके अलावा 'इफ कर ना बट कर, बीवी कहे जो झट कर', 'मम्मी का ढाबा', 'पापा का ठेका' जैसे उनके स्लोगन वाले आइटम खूब बिकते हैं. पत्नी चालीसा को प्रोडक्ट के तौर पर सबसे पहले इंडीगिफ्ट्स ने ही प्रस्तुत किया. इन तमाम स्लोगन और गिफ्ट्स का उन्होंने कॉपीराइट भी लिया है. उनकी ओर से बनाए गए कई गिफ्ट और स्लोगन 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' और 'वागले की दुनिया' जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में दिखाई दिए.

नितिन जैन ने 15-16 साल की उम्र में ही

''मैंने नितिन को हमेशा अपनी कंपनी के लोगों के लिए एक सच्चा दोस्त और सर्वश्रेष्ठ नेतृत्वकर्ता के तौर पर देखा है. अपनी संस्कृति के प्रति इतना अगाध प्रेम मैंने नितिन के अलावा और किसी में नहीं देखा''

—अनुज अग्रवाल,
नितिन के दोस्त व फाउंडर, सीबेटर

अपने भविष्य की दिशा तय कर ली थी. कॉलेज कैंपस में जब प्लेसमेंट के लिए कई कंपनियां आईं, नितिन ने तभी तय कर लिया था कि उन्हें एम्प्लॉई नहीं, एम्प्लॉयर बनना है. उनके परिवार में किसी के पास बिजनेस का अनुभव नहीं था, और वे कारोबारी बारीकियों से अनजान थे. साल 2009 में नितिन ने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एनिमेशन ऐंड मल्टी मीडिया में डिप्लोमा किया. इसके बाद बिरला इंस्टीट्यूट से ही डिजाइन में मास्टर्स किया. अमेरिका में वॉशिंगटन डीसी स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड से आंत्रेप्रेन्योरशिप में विशेषज्ञता के लिए एक साल का कोर्स किया. इस दौरान उन्होंने डिजाइन और मार्केटिंग के लिए 300 से ज्यादा कंपनियों, एनजीओ और अन्य संस्थाओं में सेवाएं दीं. उसी दौरान नितिन ने यह फैसला किया कि प्रोडक्ट इंडस्ट्री में अब खुद का काम करना है. 2017 में महज 18 साल की उम्र में उन्होंने डिजाइन हाउस इंडीबनी शुरू कर दिया.

इंडीगिफ्ट में स्लोगन और डिजाइन का काम नितिन जैन खुद करते हैं, वहीं मार्केटिंग और उत्पाद तैयार करवाने का काम उनकी पत्नी दिव्या जैन संभालती हैं. राजस्थान सहित केरल, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की 500 से ज्यादा महिलाएं इंडीगिफ्ट्स से जुड़ी हैं. आर्ट ऐंड क्राफ्ट से जुड़ी इन महिलाओं को क्लस्टर स्तर पर ट्रेनिंग देने और घर बैठे गिफ्ट बनाने का प्रशिक्षण देने का काम भी दिव्या ही देखती हैं.

मील के पत्थर

1. **2017:** इंडीगिफ्ट की स्थापना
2. **2019:** सीड्स राखी के लिए फ्यूचर ऑफ डिजाइन अवॉर्ड
3. **2019:** इंडीबनी फाउंडेशन की स्थापना
4. **2020:** इंडीगिफ्ट अमेजन इंडिया का बेस्ट सेलर बना
5. **2021:** मांडना आर्ट आधारित गिफ्ट्स के लिए बेस्ट डिजाइन अवॉर्ड
6. **2022:** बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मेसरा की ओर से यंग अचीवर अवॉर्ड

भविष्य के लिए
बाल संबल संस्थान के बच्चों को 2010 में एनिमेशन प्रशिक्षण देते हुए

इंडीगिफ्ट्स से जुड़ी महिलाओं को स्वावलंबी और सशक्त बनाने के लिए दिव्या और नितिन ने 2019 में इंडीबनी फाउंडेशन बनाया. इसके जरिए 2024 तक उन्होंने 10 हजार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है. यह फाउंडेशन इंडीबनी से जुड़ी चार राज्यों की आर्ट और क्राफ्ट की कारीगर महिलाओं की कला को निखारने का भी काम कर रहा है. इंडीबनी प्राइवेट लिमिटेड को अब तक 50 से ज्यादा प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुके हैं.

नितिन जैन कहते हैं, ''उपहारों के जरिए लोगों को भारत की संस्कृति से जोड़ा जा सकता है. हमारे हर उत्पाद की थीम इंडीजिनियस रखी गई है जिनसे हम लोगों को हमारे रीति-रिवाज और त्योहारों के बारे में जागृत करते हैं. गिफ्ट तैयार करने में हमने पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखा है. हमारा लक्ष्य है कि हम भविष्य में 100 प्रतिशत प्लास्टिक और सिंथेटिक मुक्त उत्पाद बनाएं ताकि पर्यावरण को भी बचाया जा सके.'' नितिन के मुताबिक, आर्ट ऐंड क्राफ्ट के क्षेत्र के संगठित नहीं होने की वजह से भारतीय कारीगरों को पूरा मौका और प्रोत्सहान नहीं मिल पाता. वे कहते हैं, ''भारतीय अपनी भावनाएं त्योहारों के जरिए जाहिर करते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय में इन पर चीनी उत्पादों का कब्जा हो चुका है. पटाखे, लाइट्स, रंग, राखियां सब बाहर से आ रहे हैं.''

इसी वर्चस्व को तोड़ने के लिए इंडीबनी ने लोकल से वोकल की अवधारणा पर काम करते हुए भारतीयों के लिए भारतीय भाषाओं में गिफ्ट बनाने शुरू किए जिन्हें ई-कॉमर्स के जरिए बेचना शुरू किया. नितिन ने 500 से लेकर 5,000 रुपए तक के गिफ्ट्स बनाए ताकि लोग इन्हें आसानी से खरीद सकें. हलांकि वे और उनकी टीम अब इंडीगिफ्ट्स को ओमनीचैनल ब्रांड बना रही है और ऑनलाइन के साथ-साथ रिटेलर्स तक पहुंच रही है. इनका लक्ष्य है कि साल 2027 तक वे देश-विदेश में बसे एक करोड़ लोगों तक अपने प्रोडक्ट्स पहुंचा सकें.

नितिन जैन फोटोग्राफी के शौकीन हैं. बच्चों के लिए क्रिएटिव एक्टिविटी आयोजित करना उनका शगल है. डिजाइन थिंकिंग, सेहत, कला व संस्कृति पर निरंतर लेखन भी करते हैं. ■